an>

Title: Regarding performing of last rites of youth Killed in Manipur.

श्री प्रह्लाद सिंह पटेल (दमोह) : अध्यक्ष महोदया, मैं एक बहुत ही मार्मिक, मानवता के लिए ज़रूरी और संवेदनशील मामले को सदन के सामने रखना चाहता हूँ और मुझे विश्वास है कि सदन मेरी बात से सहमत होगा।

मणिपुर एक सुंदर राज्य है लेकिन मणिपुर प्रदेश के चुरचांदपुर जिले में पिछले 96 दिन से नौ नौजवानों का लाश रखी हुई है जिनकी अंत्येष्टि नहीं हो सकी है। 31 अगस्त को चार नौजवान मारे गए थे, 1 सितम्बर को तीन और बाद में दो। मुझे आश्चर्य है कि इतनी बड़ी घटना के बावजूद भी अभी तक कोई समाधान उसमें नहीं निकल सका है। मणिपुर का प्रभारी होने के नाते अनेक बार मुझे वहां जाने का मौका मिलता है। अभी वहां उप-चुनाव हुए, उप-चुनाव के जुलूस पर फायरिंग हुई, जिस पर वहां कभी कोई कार्रवाई नहीं हुई। यह सिर्फ लॉ एण्ड ऑर्डर का मामला नहीं है। इसके पहले भी मैंने सदन में विषय उठाया था, इम्फाल में एक नौजवान की डैड बॉडी की 56 दिन बाद अन्त्येष्टि हुई थी, मैंने उसको उठाया, तब जाकर बामुश्किल वहां पर सात पुलिस वाले सस्पेंड किये गये, तब उसकी अन्त्येष्टि हो सकी, लेकिन 96 दिन हिन्दुस्तान के किसी दूसरे राज्य में अगर यह मामला होता तो मैं समझता हूं कि न जाने क्या परिस्थिति बनती।

मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान चाहूंगा और मैं कांग्रेस के मित्रों से भी कहूंगा कि कम से कम आपकी सरकार वहां है, अगर पुलिस की गोली से कोई मरता है, मैं उसको राजनैतिक मुद्दा नहीं बनाना चाहता, ऐसे मुद्दों पर हम क्यों गम्भीर नहीं होते, हम क्यों संवेदनहीन हो जाते हैं, वहां का प्रशासनतंत्र, वहीं की सरकार संवेदनशील हो गई है। अगर पुलिस की गोली से मरे हैं तो उनकी बात मानने के लिए तैयार नहीं है और इसलिए मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से आग्रह करूंगा कि भारत सरकार को इसमें हस्तक्षेप करना चाहिए और मध्यस्थता करके इस मानवीय कार्य को पूरा करना चाहिए। वे ट्राइबल्स हैं, जिनकी डैड बॉडी हैं, वे नौजवान हैं, स्टूडेंट्स रहे हैं और इसलिए मुझे लगता है कि सदन इस मामले में अपनी सहमति देगा। इस अवसर पर आपने मेरी बात को रखने दिया, अध्यक्ष महोदया, बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष : श्री केशव प्रसाद मौर्य, श्री रामचरण बोहरा, श्री सदाशिव लोखंडे और श्री भैरों प्रसाद मिश्र को श्री प्रहलाद सिंह पटेल के साथ सम्बद्ध होने की अनुमति प्रदान की जाती है।

श्री साधु सिंह।